सीजर शावेज

खेत-मज़दूरों के नेता

अध्याय 1
कड़ी मेहनत
1933 के दिन शावेज परिवार के लिए कठिन थे. लिब्राडो शावेज, एरिज़ोना में अपने छोटे से खेत का टैक्स नहीं चुका पाए थे.
खेत छोड़ो, या जेल जाओ. तुम टैक्स नहीं चुका पाए इसलिए अब ज़मीन तुम्हारी नहीं रही.
उस समय अमेरिका में मंदी (ग्रेट-डिप्रेशन) ने जोर पकड़ा था. तमाम अमेरिकी गरीब और बेरोज़गार थे.
4
फिर शावेज परिवार ने अपनी कार में पूरे परिवार और ज़रूरी सामान को लादा. उन्होंने बाकी सब कुछ पीछे छोड़ दिया.
मेरी बिल्ली?
उसके लिए जगह नहीं है, सीजर.
उखड़ा हुआ परिवार कैलिफोर्निया पहुंचा. अन्य लोगों की ज़मीन पर उन्होंने खेत मज़दूरों जैसे रोजगार पाया.
कैलीफोर्निया में काम की तलाश में आए हजारों प्रवासी परिवारों में से वे एक थे. काम मुश्किल था, वेतन कम था.
बच्चों जल्दी खाना खत्म करो, जिससे हम सो सकें. हमें सुबह तड़के ही जगना होगा.
क्यों?
जिससे हम दिन की दिहाड़ी कमा सकें.
लेकिन मैं अभी भी भूखी हूँ.
5

वर्षों तक शावेज़ परिवार ने कैलिफोर्निया में फसलों की कटाई की. उन्होंने गाजर, कपास, अंगूर और लेट्यूस बीना और तोड़ा. एक जगह काम खत्म होते ही वो किसी दूसरे खेत में जाते.

उत्पादक लेट्यूस Lettuce) को हरा सोना कहते हैं.

लेट्यूस उनके लिए सोना हो सकता है. वे उससे बहुत पैसा कमाते हैं जबकि रोज़ाना हमारी पीठ टूटती है.

किसानों ने मज़दूरों के काम की देख-रेख के लिए ठेकेदार रखे थे. उनमें से कई बहुत लालची थे. उन्होंने मज़दूरों को कम पैसे और धोखा देने के तरीके खोजे थे.

आपने 4-डॉलर प्रति दिन कहा था!

मैंने मन बदला है. अब रेट 4-डॉलर है. लो या छोड़ो.

सीज़र, रीटा, अब हम यहाँ से चलें. यह सरासर गलत है. हम यहां काम नहीं करेंगे.

हड़ताल!

जहाँ श्रमिकों के साथ धोखा होता हो, हम वहां काम नहीं करेंगे. इससे फर्क नहीं पड़ता कि हम कितने भूखे हैं.

Huelga!

"ह्यूलेगा" का स्पेनिश में मतलब हड़ताल होता है. हड़ताली श्रमिकों ने तब तक काम करने से इनकार किया जब तक मालिकों ने मज़दूरों को नौकरी की शर्तें तय करने में शामिल नहीं किया. श्रमिकों ने अधिक वेतन, और बेहतर सुविधाओं की मांग की.

सीजर के परिवार को हमेशा इधर-उधर भटकना पड़ता था. सीज़र, 30 से अधिक स्कूलों में पढ़ा.

हमें दुःख है सीज़र, वो पाठ पिछले हफ्ते ही ख़त्म हो चुका है.

आठवीं के बाद, सीज़र ने स्कूल छोड़ दिया और फिर फुल-टाइम खेतों में काम करने लगा.

17 साल की उम्र में, सीजर ने अमेरिकी नौसेना में नौकरी की. दो साल बाद वो घर लौटा. लेकिन मज़दूरों की बस्तियों में कुछ भी नहीं बदला था.
मैंने युद्ध में अपने देश की सेवा की, लेकिन मेरे लोगों का जीवन कुछ भी नहीं बदला. खेत मालिक हमें बहुत कम पगार देते हैं.
न डॉक्टर न दवा ! हमारे पास कुछ भी नहीं है!
सीजर ने श्रमिक शिविर को छोड़ दिया पर उसका नया घर कोई ज्यादा अच्छा नहीं था. 1952 में, सीजर और उनकी पत्नी, हेलेन, मैक्सिको के पड़ोस में सैन जोस, कैलिफोर्निया में जाकर बस गए. इस गरीब, भीड़-भाड़ वाले इलाके का नाम "साल सी प्यूडेस" था. नाम स्पैनिश था और उसका मतलब था, "बाहर निकलो, अगर तुम में हिम्मत हो".
वहां सीजर की कैथोलिक पादरी डोनाल्ड मैकडॉनेल के साथ दोस्ती हुई.
पांच साल के बच्चे खेतों में लंबे घंटों तक काम करते हैं?
उन्हें स्कूल में होना चाहिए. उन्हें इतनी मेहनत नहीं करनी चाहिए.
यह सरासर अन्याय है!!
परिवर्तन होना चाहिए. लोगों को उचित मजदूरी और काम के सुरक्षित स्थान चाहिए. बीमारी में उन्हें नौकरी से बाहर नहीं निकाला जाना चाहिए.
लो इस पुस्तक को पढ़ो - गांधी का जीवन. गांधी, हिंसा का उपयोग किए बिना भारत में सामाजिक परिवर्तन लाए.
9

अध्याय 2

संगठित होना

जून 1952 में, फ्रेड रॉस नामक एक एंग्लो अजनबी, सीजर के घर आया. रॉस ने सामुदायिक सेवा संगठन (CSO) नाम में एक लातीनी नागरिक अधिकार समूह के लिए काम किया था. पहले तो सीजर और उसके दोस्तों ने रॉस पर भरोसा नहीं किया.

रॉस के शब्दों ने सीज़र का ध्यान आकर्षित किया.

CSO ने कैलिफ़ोर्निया में श्वेत-अश्वेत स्कूलों, सिनेमाघरों को बंद कर दिया. उन पुलिसवालों को सजा दिलवाई जिन्होंने मेक्सिकन मज़दूरों को जेल में पीटा था.

मैंने उसके बारे में सुना है!

एक लेटिनो मज़दूर अकेले कमज़ोर होता है, सीज़र. लेकिन CSO इसलिए ताकतवर है क्योंकि हम सब एक-साथ मिलकर काम करते हैं.

अगले दिन, सीजर ने अपने पड़ोसी का दरवाज़ा खटखटाया. वो CSO के साथ काम करने को राज़ी हो गया था.

लैटिनो के लिए वोट ज़रूरी था. तभी वे हालात बदल सकते थे. CSO द्वारा समर्थित उम्मीदवारों की यह सूची पढ़ो.

मैंने कभी वोट नहीं डाला.

सीज़र लोगों को संगठित करने में माहिर था. उसने जल्द ही साल-सी-प्यूडेस और आसपास के शहरों में CSO की शाखाएं शुरू कीं. 1959 में, सीज़र CSO का कार्यकारी निदेशक बना.

सीज़र के नेतृत्व में, CSO देश का सबसे शक्तिशाली, मैक्सिकन-अमेरिकी संगठन बन गया. फिर सीज़र ने खेत मज़दूरों की यूनियन शुरू करने काम किया.
यूनियन में शामिल मज़दूर, अपने मालिकों से बेहतर सुविधाओं की मांग करते थे.
लेकिन CSO सदस्यों ने शहर के मेक्सिको मज़दूरों के लिए ही अपना वोट दिया.
सीजर, CSO के माध्यम से यूनियन शुरू करने में असमर्थ रहा. उसने इस्तीफा देकर खुद अलग से एक यूनियन शुरू करने का फैसला लिया.
अप्रैल 1962 में, सीज़र और हेलेन अपने आठ बच्चों के साथ डेलानो, कैलिफ़ोर्निया चले गए. सीज़र ने वहां के मज़दूरों से तुरंत बातचीत शुरू की.
हमने पहले भी यूनियन बनाई थी.
हमारा नेता चला गया और यूनियन टूट गई. फिर हमें कहीं कोई काम नहीं मिला.
मैं तुम्हारे साथ रहूंगा. यूनियन मेरा सपना है.
12
ठेकेदार हमसे पानी के पैसे तक ऐंठता है.
हमें बेहतर मजदूरी चाहिए. मेरे घर में पानी तक नहीं है.
NFWA ने सितंबर में अपनी पहली बैठक की. डोलोरेस हुएर्टा और सीज़र का भाई रिचर्ड नयी यूनियन में महत्वपूर्ण अधिकारी थे.
गर्मियों के अंत तक, सीज़र के पास नेशनल फार्म वर्कर्स एसोसिएशन (NFWA) यूनियन बनाने के लायक पर्याप्त सदस्य थे.
हम अपनी मांगों के लिए लड़ेंगे. "विवा ला कॉसा!" सभी खेत मज़दूरों की अपनी कार्य स्थितियों को तय करने में हिस्सेदारी होगी.
विवा ला कॉसा! (हमारी मांगें!)
जल्द ही सभी जगह के खेत मज़दूरों ने सीज़र शावेज, NFWA और ला कॉसा, यानि "मांगों" के बारे में सुना.
हम कंटीले गुलाब के पौधों में चलते हैं. तेज़ स्पीड से काम करते हैं. मालिकों ने हमें प्रति हजार पौधों पर 9-डॉलर देने का वादा किया था, लेकिन केवल 6.50-डॉलर ही दिए.
13

मैकफारलैंड, कैलिफोर्निया में गुलाब फूल तोड़ने वाले मज़दूरों ने NFWA से मदद मांगी. सीजर ने उन्हें माउंट आर्बर कंपनी के खिलाफ हड़ताल करने में मदद की.
हमें इन गुलाबों को जहाज़ से भेजना है. जितनी देर होगी उतना ही अधिक नुक्सान होगा.
अब कोई चारा नहीं है.
केवल चार दिनों में उत्पादकों ने वेतन बढ़ाया. हड़ताल समाप्त हुई.
गुलाब उत्पादकों की हड़ताल के बाद NFWA की सदस्यता बढ़ी. फिर 8 सितंबर, 1962 को सीजर को ऐसी खबर मिली, जो NFWA को और भी अधिक रोशनी में लाई.
सीज़र! फ़िलिपिनो अंगूर बीनने वाले मज़दूर डेलानो के नौ बागानों में हड़ताल कर रहे हैं!
तब मालिक निश्चित रूप से मेक्सिकन मज़दूरों को वो नौकरियां देंगे.
जब मज़दूर उचित वेतन के लिए लड़ रहे हैं, तब हम उनकी नौकरी नहीं छीन सकते हैं. हम भी हड़ताल पर जायेंगे.
कुछ दिनों बाद, NFWA ने फिलिपिनो अंगूर बीनने वाले मज़दूरों के साथ चर्चा के लिए एक बैठक की.
वे 40-सेंट वृद्धि के बाद 1.40-डॉलर प्रति घंटा मज़दूरी मांग रहे हैं. वे बड़ी गरीबी मे ज़िंदगी जी रहे हैं.
हमें अपने भाइयों की सहायता करनी चाहिए. हम भी हड़ताल करेंगे!
स्ट्राइक!
हड़ताल!
NFWA ने अपनी हड़ताल में फिलिपिनो को भी शामिल होने के लिए मतदान किया. एक साथ, दो समूहों में कम-से-कम 5,000 लोग सैन-जोकिन घाटी में 48 खेतों में काम करना बंद किया. उत्पादकों को अपने खेतों में काम करने के लिए हड़ताल तोड़ने वाले श्रमिकों को बुलाया.
हड़ताल!
काम बंद करो!
मज़दूर भाइयों के साथ विश्वासघात मत करो!

अध्याय 3

डेलानो की महान अंगूर हड़ताल

NFWA ने फिलिपिनो यूनियन के साथ मिलकर, कृषि श्रमिक आयोजन समिति (AWOC) ने हड़ताली मज़दूरों को खाना दिया, उनके बच्चों की देखभाल की और उन्हें सोने की जगह दी.
उत्पादकों ने हमेशा फिलीपिनो और मेक्सिकन मज़दूरों को खेतों में अलग रखा है.
नौकरियों में उन्होंने एक-दूसरे को आपस में लड़वाया है.
पर अब हम साथ-साथ काम करेंगे.
खूब दान आया, और साथ में सैकड़ों स्वयंसेवक हड़ताल में शामिल हुए.
विवा ला कॉसा!
STRIKE
शहर के इन हड़तालियों को क्या पता? उन्होंने अपने जीवन में कभी मिट्टी को छुआ तक नहीं है.
STRIKE
सीजर, हड़ताल के लिए समर्थन जुटाने के लिए अन्य श्रमिक संगठनों, चर्चों और विश्वविदयालयों में गया.
हमें पैसा और खाना चाहिए. हमें आपका सहयोग चाहिए. आपको "ला-कॉसा" में शामिल होना चाहिए!
दिसंबर में, NFWA ने आगे की कार्रवाई की. सीज़र ने कैलिफोर्निया की शेंले इंडस्ट्रीज के सभी अंगूर उत्पादों का बहिष्कार किया.
INDUSTRIES
शेंले इंडस्ट्रीज बहिष्कार!
यह क्या हो रहा है?
शेंले से कुछ भी न खरीदें. वे अपने मज़दूरों को उचित मज़दूरी नहीं देते हैं.

मार्च तक, अंगूर उत्पादकों के खिलाफ हड़ताल छह महीने तक चली थी. सीजर जानता था कि उसे "ला-कॉसा" के लिए लोगों का और समर्थन चाहिए था. मार्च 17, 1963 को उसने और सैकड़ों मज़दूरों ने डेलानो से सैक्रामेंटो - कैलिफोर्निया की राजधानी तक, अपना मार्च शुरू किया.
STRIKE
हम गवर्नर के साथ बैठक की मांग करेंगे. हम उन्हें "ला-कौसा" के बारे में सुनने के लिए मजबूर करेंगे.
हमारी पीड़ा लोगों का ध्यान ज़रूर आकर्षित करेगी. हम सभी खेत मज़दूरों को न्याय दिलाएंगे.
STRIK
यात्रा के अंत में सीजर को एक अच्छी खबर मिली.
ज़र, मुझे शेंले का एक संदेश मिला है. वे समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार हैं.
बहिष्कार और प्रचार ने शेंले कंपनी को चोट पहुंचाई. विवाद निपटाने के लिए सीजर ने कंपनी के वकील से मुलाकात की.
कंपनी चाहती है कि मजदूर खेतों में लौट आएं.
फिर शेंले को मज़दूरों को बेहतर वेतन देना होगा.
25 दिनों के बाद, हड़ताली मज़दूर राजधानी पहुंचे और तब सीजर ने एक अच्छी खबर सुनी.
हमने शेंले के साथ एक समझौता किया है. वे NFWA को अपने मज़दूरों का प्रतिनिधित्व करने देंगे.
और वे 35-प्रतिशत वेतन वृद्धि भी देंगे.

अध्याय 4

अंत तक लड़ाई

इस बीच, उत्पादक और मालिक अधिक हिंसक हो गए. हड़तालियों पर तनाव बढ़ता गया. हड़ताली मज़दूरों का धैर्य कम होता गया.
उसने मैनुअल को कुचल डाला.
मार डालो!
कृप्या! हमें शांतिपूर्ण रहना चाहिए!
शावेज! वो एक कायर है!
कुछ हड़तालियों ने हिंसा का जवाब हिंसा से दिया. अंत में, यूनियन की बैठक में, सीज़र ने घोषणा की कि वह तब तक अनशन रखेगा जब तक हिंसा समाप्त नहीं होती. सीज़र के हीरो, गांधी ने अपना विरोध व्यक्त करने के लिए उपवास का इस्तेमाल किया था.
तुमने खाना नहीं खाया?
तुम मर जाओगे. उससे क्या हासिल होगा?
यह संघर्ष गरिमा और मूल्यों के बारे में है मैं लोगों को यह याद दिलाने के लिए खुद को बलिदान कर दूंगा. हिंसा से कोई हल नहीं निकलेगा.
सीजर यूनियन के मुख्यालय के एक कमरे में गया. 25 दिनों तक, उसने केवल पानी पिया, कुछ भी नहीं खाया.
सीज़र के समर्थन में प्रदर्शन करने के लिए वहां हजारों खेत मज़दूर पहुंचे. फिर से, राष्ट्रीय मीडिया ने इस आयोजन को कवरेज दिया. सीजर का समर्थन करने वाले पादरी भी उनसे मिलने आए.
मज़दूरों ने अहिंसा की प्रतिज्ञा की. फिर अंत में सीजर ने अपना अनशन ख़त्म किया.
सीज़र का अनुसरण लोग इसलिए करते हैं क्योंकि वो यूनियन के अलावा अन्य लोगों के बारे में भी सोचते हैं. वो हमेशा उचित काम करते हैं .
जुलाई 1970 के अंत था, अंगूर उगाने वाले मालिकों का इतना नुक्सान हो चुका था कि उन्होंने सुलह की. उन्होंने सीज़र से एक समझौते पर हस्ताक्षर किए.
निष्पक्ष कार्य परिस्थितियां तय करने में अब श्रमिकों की भी सामान आवाज़ होगी.
UFW अब खेत मज़दूरों का प्रतिनिधित्व करेगा.
हड़ताली मज़दूर और इस संघर्ष में शामिल लोगों ने अपना बहुत कुछ खोया.

सीजर ने अपने जीवन में कई अन्य लड़ाइयों को देखा. लेट्यूस और अन्य फसलों के उत्पादकों ने श्रमिकों को उचित मजदूरी नहीं दी और UFW को उनका प्रतिनिधित्व करने से मना किया.1970 के दशक में तमाम हड़तालें हुए.
अश्रु गैस!
यहाँ से तुरंत चले जाओ!
1970 के अंत तक, सीज़र के काम के परिणाम स्पष्ट थे. UFW के 100,000 से अधिक सदस्य थे. इन श्रमिकों को उच्च वेतन, नियमित अवकाश, छुट्टी के दिन और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ.
26
सीजर अपने पूरे जीवन भर श्रमिकों के अधिकारों के लिए लड़ता रहा.
La Desgracia de Los Pesticidas
कीटनाशक बंद करो!
urge of Pesticides
हम खेत मज़दूरों के लिए हमेशा लड़ते रहेंगे. मज़दूर, खतरनाक कीटनाशकों और अन्य रसायनों से मुक्त क्षेत्रों में सुरक्षित रूप से काम करना चाहते हैं.
अप्रैल 1993 में सीजर की मृत्यु हुई. खेत मज़दूरों के कल्याण के लिए उसके समर्पण और बलिदान को आज भी याद किया जाता है.
27

सीजर शावेज का जन्म 31,1927 को युमा, एरिज़ोना के पास एक खेत में हुआ. उनके दादा-दादी मैक्सिकन आप्रवासी थे.

अप्रैल 23,1993 को नींद में सीजर की मृत्यु हुई. उस दिन उन्होंने लेट्यूस मालिकों के खिलाफ एक केस में गवाही दी थी.

सीजर ने 1944 से 1946 तक नौसेना में कार्य किया.

हालांकि सीजर ने आठवीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया, लेकिन उन्होंने कभी भी सीखना बंद नहीं किया. UFW मुख्यालय में उनका कार्यालय गांधी और अन्य विश्व नेताओं की जीवनियों, अर्थशास्त्र, दर्शन, यूनियनों आदि पुस्तकों से भरा था. सीजर सोचते थे कि लोगों को अपनी शिक्षा का उपयोग दूसरों की सेवा करने के लिए करना चाहिए.

1975 में, सीज़र ने कैलिफोर्निया में कृषि श्रम संबंधी बिल को पारित करने में मदद की. यह वो पहला बिल था जो कृषि मज़दूरों को यूनियन बनाने का अधिकार देता था. अब मज़दूर मालिकों से मोलभाव करने के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुन सकते थे.

1980 का सीजर ने कीटनाशकों के उपयोग के विरोध में, 36 दिनों तक अनशन किया.
लेकिन अपने जीवन में उन्होंने उसका लाभ नहीं देखा.

शावेज को सिर्फ खेती करने वाले मज़दूरों के नेता के रूप में ही नहीं याद किया जाता है.
बहुत से लोग शावेज को इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण मेक्सिकन मानते हैं.

1994 में, राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सीज़र को देश के सर्वोच्च सम्मान,
"प्रेसिडेंटिअल मैडल ऑफ़ फ्रीडम" से सम्मानित किया.
सीजर की पत्नी हेलेन और उनके छह बच्चों ने यह पुरस्कार स्वीकार किया.